भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1452
उत्तर देने की तारीख 09.02.2026

अमरोहा, उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक भागीदारी को बढ़ावा देना

1452. श्री कंवर सिंह तंवर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने के लिए छात्रों और युवाओं की सांस्कृतिक भागीदारी बढ़ाने हेतु उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले (गजरौला, हसनपुर, धनौरा और जोया क्षेत्रों सहित) में नियमित सांस्कृतिक उत्सव, विरासत जागरूकता कार्यक्रम, अंतर-स्कूल/अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं और सामुदायिक सांस्कृतिक गतिविधियों को आयोजित करने की कोई पहल की है;

(ख) यदि हाँ, तो सरकार द्वारा उक्त क्षेत्रों में ऐसे आयोजनों के लिए प्रस्तावित वित्तीय सहायता, संस्थागत भागीदारी, प्रचार योजना और स्कूलों/कॉलेजों तथा स्थानीय सांस्कृतिक समूहों को शामिल करने के लिए अपनाई गई रणनीति का ब्यौरा क्या है, और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश के अमरोहा, गजरौला, हसनपुर, धनौरा और जोया सहित अपने सदस्य राज्यों की लोक कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों के संरक्षण, संवर्धन और परिरक्षण के लिए प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) की स्थापना की है। एनसीजेडसीसी उत्तर प्रदेश सहित अपने सदस्य राज्यों में छात्रों और युवाओं की सांस्कृतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए नियमित रूप से सांस्कृतिक महोत्सव, विरासत जागरूकता कार्यक्रम और सामुदायिक सांस्कृतिक कार्यकलापों का आयोजन करता है। संस्कृति मंत्रालय के तहत सभी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) युवा पीढ़ी को भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत के

साथ जोड़ने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित करके युवाओं को सक्रिय रूप से शामिल कर रहे हैं। इनमें गुरु-शिष्य परंपरा स्कीम शामिल है, जो युवा शिक्षार्थियों को पारंपरिक कला रूपों में मास्टर कलाकारों द्वारा व्यवस्थित मार्गदर्शन की सुविधा प्रदान करती है, जिससे स्वदेशी कलाओं में नामांकन और निरंतर प्रशिक्षण को बढ़ावा मिलता है।

एनसीजेडसीसी स्कूलों और कॉलेजों में अनेक कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित करता है ताकि युवा पीढ़ी को मूर्तिकला, कुंभकारी, मुखौटा बनाना, ढोल बनाना आदि जैसे विभिन्न पारंपरिक शिल्पकला को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

विगत तीन वर्षों के दौरान अपने सदस्य राज्यों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कार्यकलापों के आयोजन के लिए एनसीजेडसीसी को जारी किया गया सहायता अनुदान निम्नानुसार है:

(लाख रुपए में)

क्र. सं.	**वर्ष**	**जारी की गई राशि**
i.	2022-23	301.51
ii.	2023-24	3553.24
iii.	2024-25	3227.66

उत्तर प्रदेश सहित देश के पारंपरिक मेलों और उत्सवों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान स्कीम (सीएफपीजी) संचालित की जाती है जिसके अंतर्गत संगोष्ठियों, सम्मेलनों, शोध, कार्यशालाओं, उत्सवों, प्रदर्शनियों, विचारगोष्ठियों, नृत्य, नाटक-रंगमंच, संगीत सृजन आदि के आयोजन के लिए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। विगत तीन वर्षों के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में स्थित संगठनों को जारी किया गया अनुदान इस प्रकार है:

(लाख रुपए में)

क्र. सं.	**वर्ष**	**संगठनों की संख्या**	**राशि**
i.	2022-23	278	343.33
ii.	2023-24	268	244.07
iii.	2024-25	218	395.66

इसके अतिरिक्त, संस्कृति मंत्रालय इन क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (आरएसएम) भी आयोजित करता है, जिसमें पूरे भारत से स्थानीय कलाकारों/समूहों सहित बड़ी संख्या में लोक और जनजातीय कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं ताकि देश की जनता/युवाओं के बीच समृद्ध संस्कृति के बारे में जागरूकता सृजित की जा सके। इन कार्यक्रमों में, आयोजन के उचित प्रबंधन के लिए स्कूल और कॉलेज के छात्रों को स्वयंसेवकों के रूप में शामिल किया जाता है। अब तक, संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश भर में 14 राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव और 04 क्षेत्रीय स्तर के राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किए गए हैं।

****